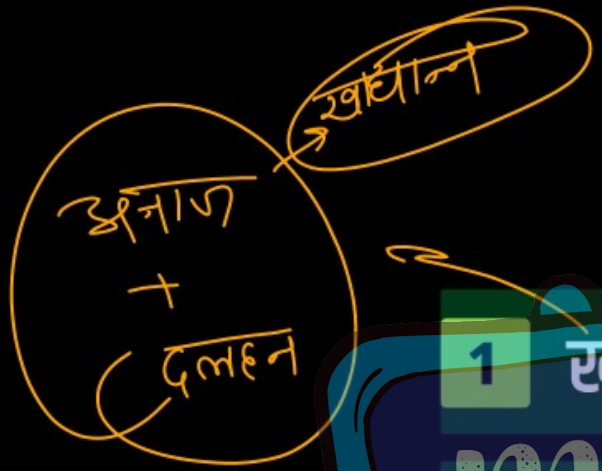

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER
CLASS 10th
GEOGRAPHY
ARJUN
BATCH
Chapter-4 | Part-6
AGRICULTURE

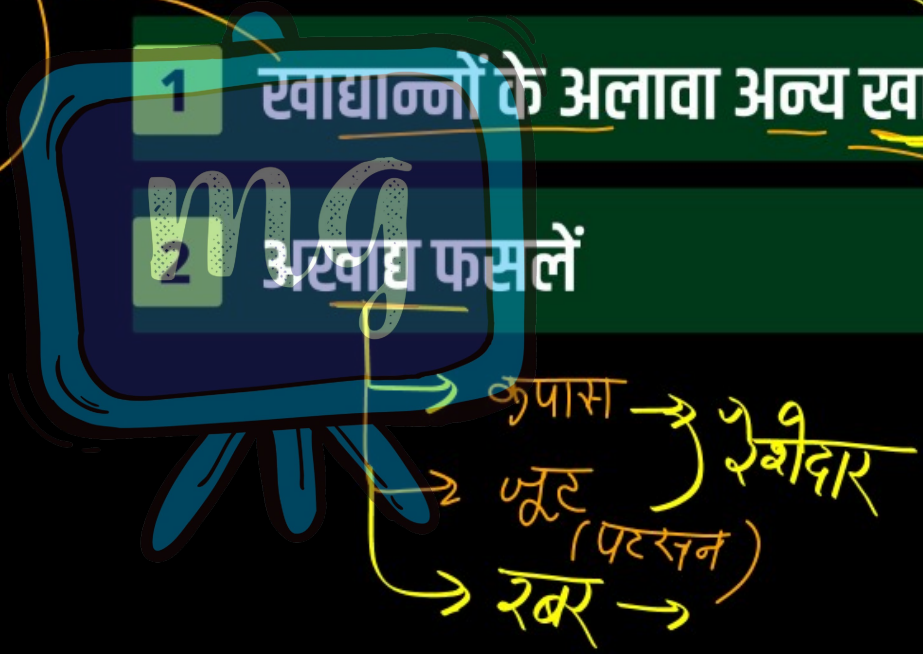
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



आज क्या पढेंगे ?

1. खाद्यान्नों के अलावा अन्य खाद्य फसलें
2. अखाद्य फसलें

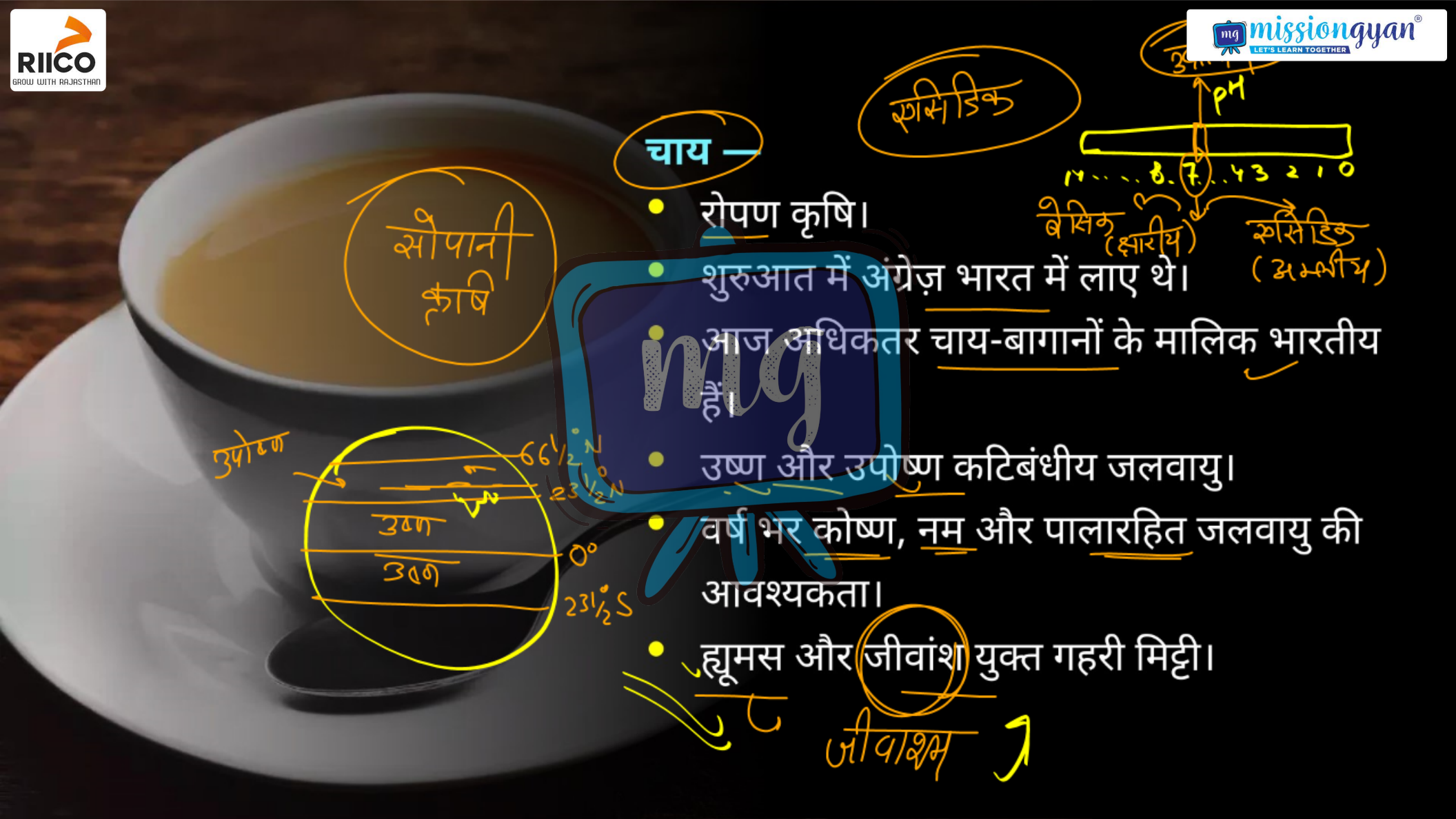


RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

चाय —

- रोपण कृषि।
- शुरुआत में अंग्रेज़ भारत में लाए थे।
- आज अधिकतर चाय-बागानों के मालिक भारतीय हैं।
- उष्ण और उपोष्ण कटिबंधीय जलवायु।
- वर्ष भर कोष्ण, नम और पालारहित जलवायु की आवश्यकता।
- ह्यूमस और जीवांश युक्त गहरी मिट्टी।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

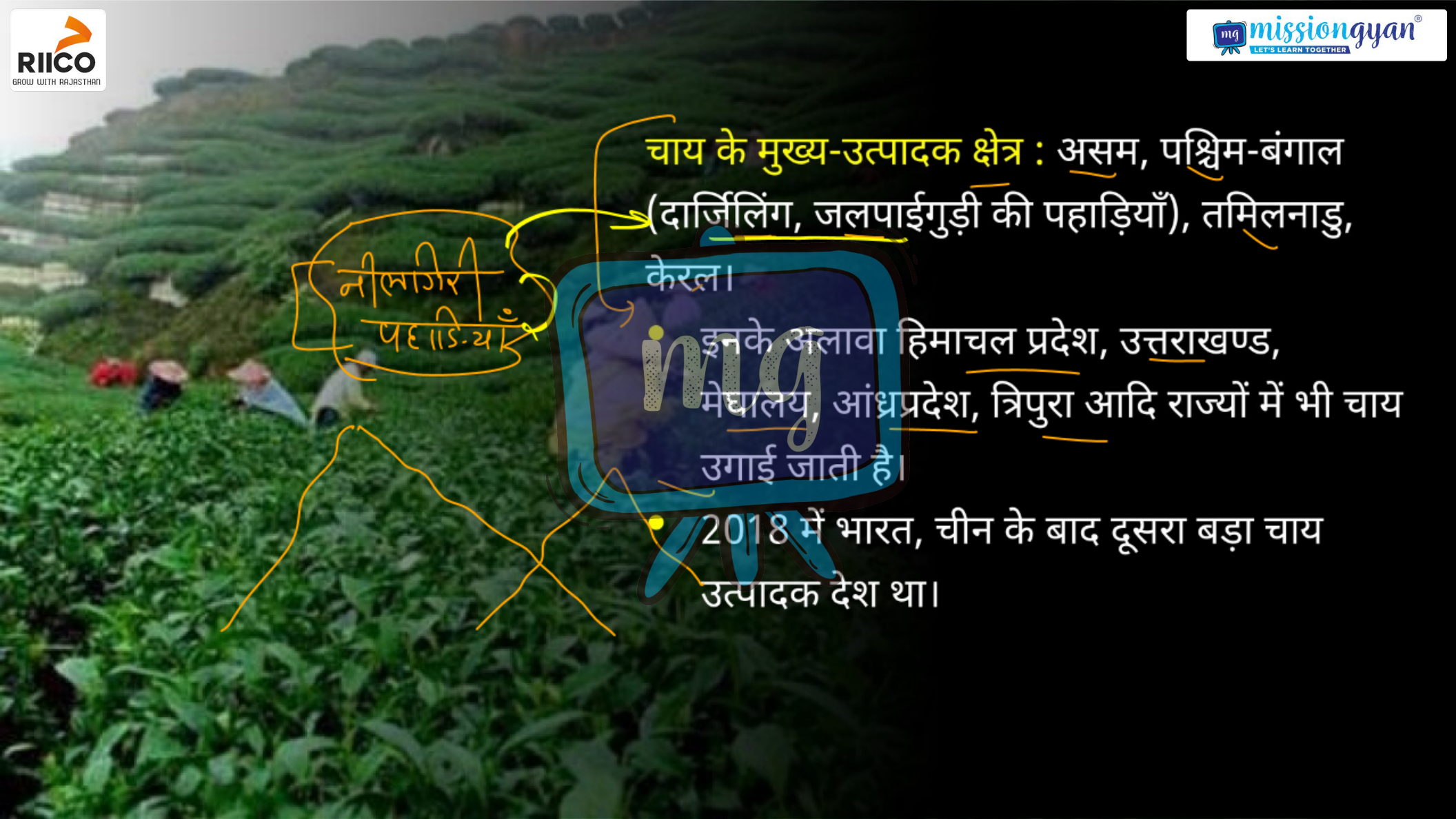


गहन कृषि
(सघन कृषि)

- सुगम जल-निकास वाले ढलवाँ क्षेत्रों में।
- वर्ष-भर समान रूप से होने वाली वर्षा की बौछारें इसकी कोमल पत्तियों के विकास में सहायक होती हैं।
- श्रम- सघन उद्योग (प्रचुर मात्रा में सस्ता और कुशल श्रम चाहिए)
- इसकी ताजगी बनाए रखने के लिए चाय की पत्तियाँ बागान में ही संसाधित की जाती हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



चाय के मुख्य-उत्पादक क्षेत्र : असम, पश्चिम-बंगाल (दार्जिलिंग, जलपाईगुड़ी की पहाड़ियाँ), तमिलनाडु, केरल।

- इनके अलावा हिमाचल प्रदेश, उत्तराखण्ड, मेघालय, आंध्रप्रदेश, त्रिपुरा आदि राज्यों में भी चाय उगाई जाती है।
- 2018 में भारत, चीन के बाद दूसरा बड़ा चाय उत्पादक देश था।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



कर्नाटक

बाबा-बूदन की पहाड़ियाँ

कॉफ़ी — अरेबिका किस्म

- भारतीय कॉफ़ी अपनी गुणवत्ता के लिए विश्वविख्यात है।
- हमारे देश में अरेबिका-किस्म की कॉफ़ी पैदा की जाती है।
- जो आरम्भ में यमन से लाई गई थी।
- इस किस्म की विश्व-भर में अधिक माँग है।
- इसकी कृषि की शुरुआत बाबा-बूदन पहाड़ियों से हुई और आज भी इसकी खेती नीलगिरि की पहाड़ियों के आस पास (कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु में) की जाती है।

कर्नाटक

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

बागवानी फसलें — फल-सब्जियाँ

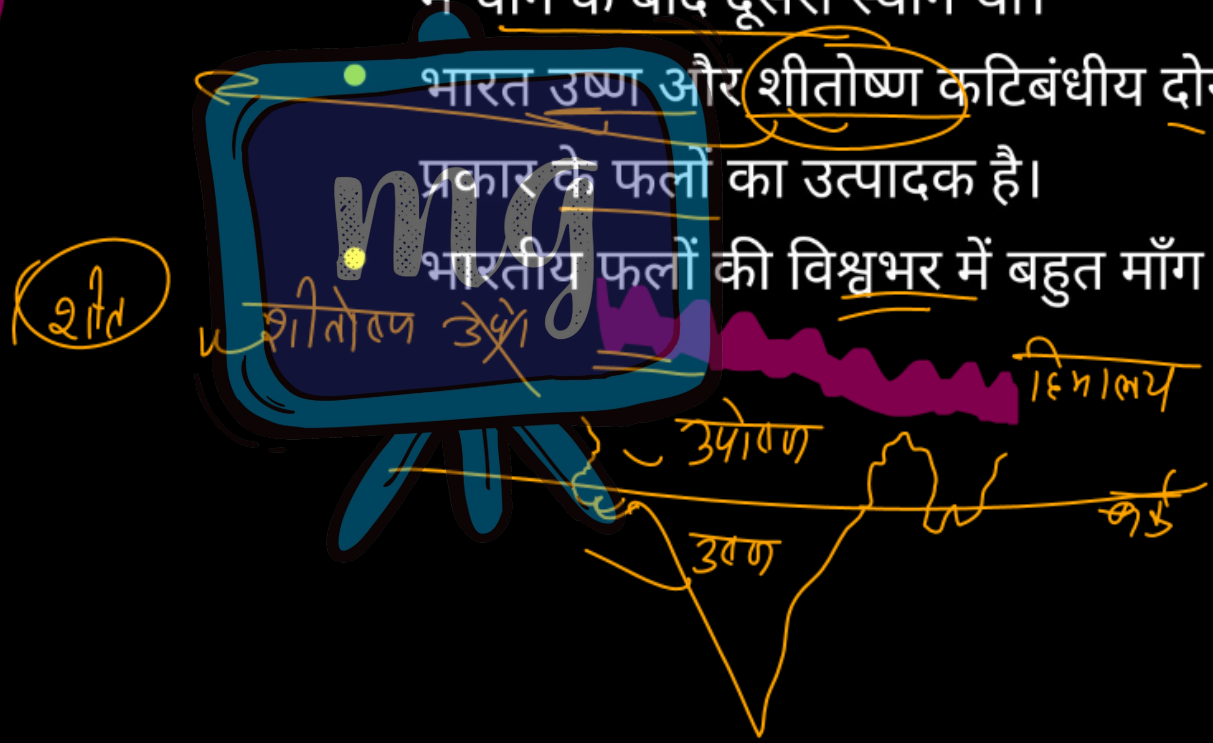


RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- 2018 में भारत का फलों और सब्जियों के उत्पादन में चीन के बाद दूसरा स्थान था।
- भारत उष्ण और शीतोष्ण कटिबंधीय दोनों ही प्रकार के फलों का उत्पादक है।
- भारतीय फलों की विश्वभर में बहुत माँग है।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- महाराष्ट्र, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, उत्तरप्रदेश, पश्चिम-बंगाल के **आम**
- नागपुर, चेरापूँजी (मेघालय) के **संतरे**
- केरल, मिजोरम, महाराष्ट्र, तमिलनाडु के **केले**
- उत्तरप्रदेश, बिहार की **लीची**
- मेघालय के **अनन्नास**
- आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र के **अंगूर**
- हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर के सेब, नाशपाती, खूबानी, **अखरोट**
- भारत का मटर, फूलगोभी, बंदगोभी, प्याज, टमाटर, आलू, बैंगन उत्पादन में प्रमुख स्थान है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अखाद्य फसलें

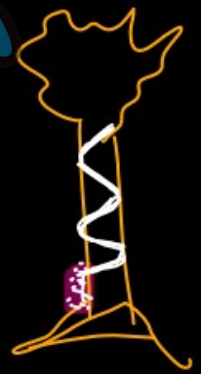
औद्योगिक उत्पाद





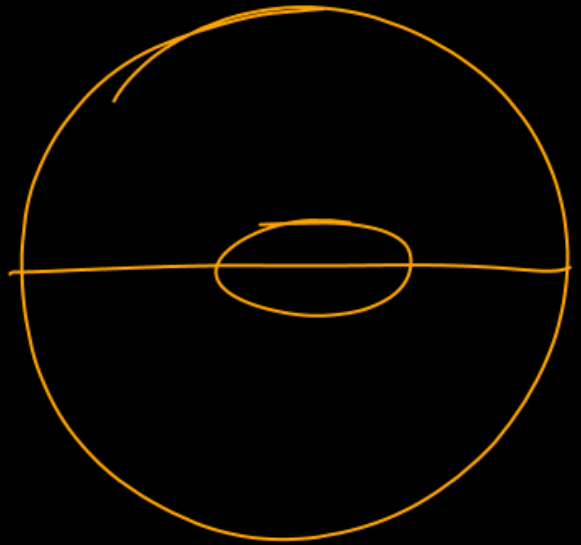


कच्चा माल



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



रबड़ —

- महत्त्वपूर्ण कच्चा माल है जो उद्योगों में प्रयुक्त होता है।
- भूमध्य-रेखीय क्षेत्र की फसल परंतु, विशेष परिस्थितियों में उष्ण और उपोष्ण क्षेत्रों में भी उगाई जाती है।
- 200 सेमी. से अधिक वर्षा
- 25° सेल्सियस से अधिक तापमान
- नम और आर्द्र जलवायु की आवश्यकता होती है।
- इसे मुख्य रूप से केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, अंडमान-निकोबार द्वीप समूह और मेघालय (गारो पहाड़ियों) में उगाया जाता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

रेशेदार फसलें —









RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- भारत में उगाई जाने वाली चार मुख्य रेशेदार फसलें — कपास, जूट, सन, प्राकृतिक-रेशम
- इनमें से पहली तीन मिट्टी में फसल उगाने से प्राप्त होती हैं; चौथी रेशम के कीड़े के कोकून से प्राप्त होती है
- (रेशम का कीड़ा मलबरी पेड़ की हरी पत्तियों पर पलता है)
- (रेशम-उत्पादन के लिए रेशम के कीड़ों का पालन 'रेशम उत्पादन' (Sericulture) कहलाता है)

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



कपास —

- भारत को कपास के पौधे का मूल-स्थान माना जाता है।
- सूती कपड़ा उद्योग में कपास एक मुख्य कच्चा माल है।
- कपास उत्पादन में भारत का विश्व में चीन के बाद दूसरा स्थान है (2017)
- दक्कन पठार में काली-मिट्टी कपास उत्पादन के लिए उपयुक्त मानी जाती है।
- उगाने के लिए उच्च तापमान, हल्की वर्षा या सिंचाई, 210 पाला रहित दिन और खिली धूप की आवश्यकता होती है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- यह खरीफ की फसल है और इसे पककर तैयार होने में 6 से 8 महीने लगते हैं।

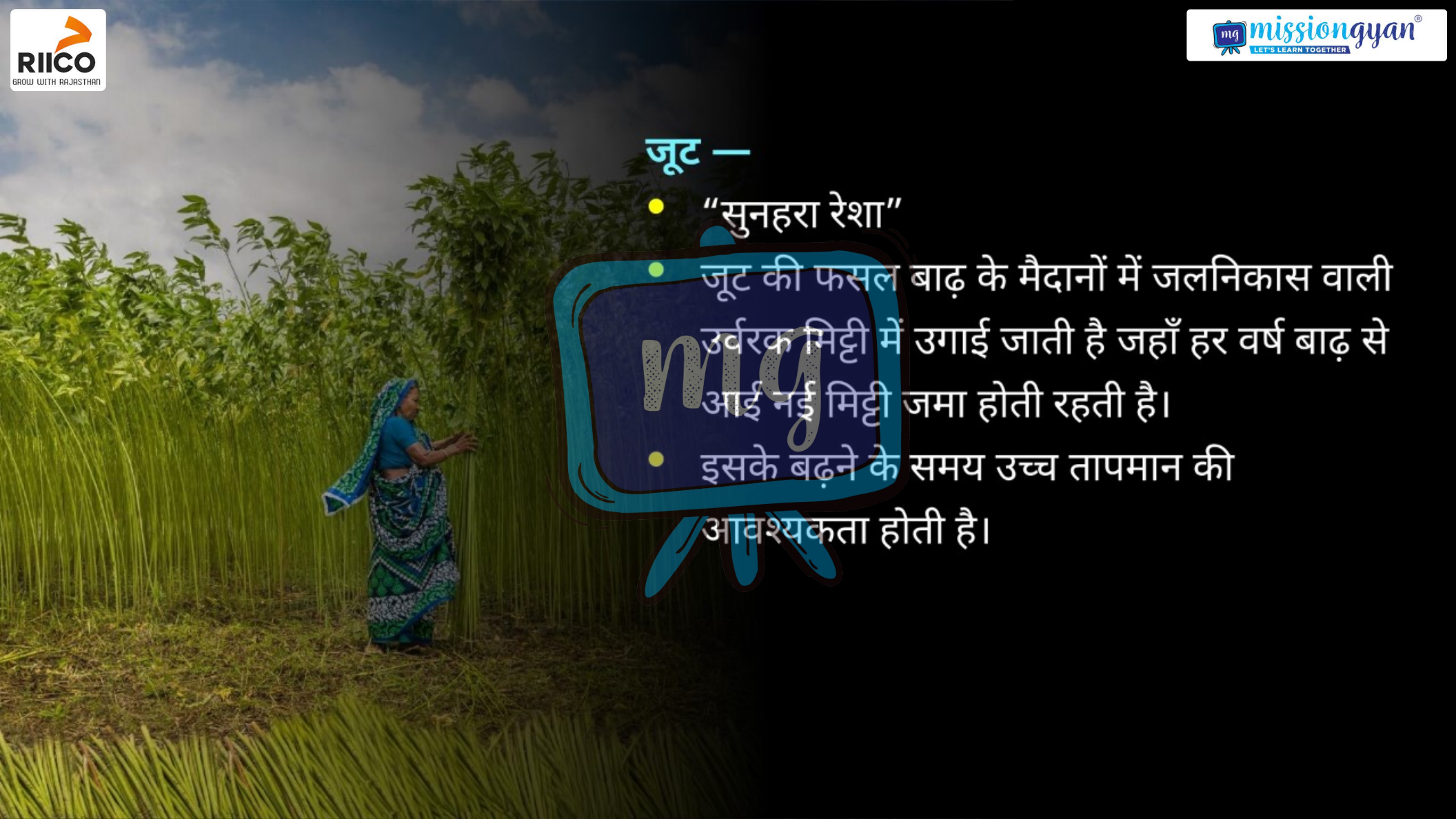


RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

मुख्य उत्पादक राज्य — महाराष्ट्र, गुजरात, मध्यप्रदेश, कर्नाटक, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु, पंजाब, हरियाणा, उत्तरप्रदेश





जूट —

- “सुनहरा रेशा”
- जूट की फसल बाढ़ के मैदानों में जलनिकास वाली उर्वरक मिट्टी में उगाई जाती है जहाँ हर वर्ष बाढ़ से आई नई मिट्टी जमा होती रहती है।
- इसके बढ़ने के समय उच्च तापमान की आवश्यकता होती है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

मुख्य उत्पादक राज्य — पश्चिम बंगाल, बिहार, असम, ओडिशा, मेघालय।

प्रयोग — बोरियाँ, चटाई, रस्सी, तंतु व धागे, गलीचे आदि बनाने में।

इसकी उच्च लागत और कृत्रिम रेशों (विशेषकर नाइलोन) की कीमत कम होने के कारण बाज़ार में इसकी माँग कम।